भारत सरकार

योजना मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 784

दिनांक 10.02.2025 को उत्तर देने के लिए

गरीबी आकलन में पद्धतिगत असमानताएं

784. **श्री मल्लिकार्जुन खरगे**:

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने मौद्रिक दृष्टिकोण और नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के बीच गरीबी आकलन में असमानताओं को नोट किया है;

(ख) यदि हां, तो इन भिन्नताओं का आकलन करने के लिए उपयोग की जाने वाली पद्धतियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं के आधार पर मौद्रिक गरीबी को ध्यान में रखते हुए एक नई गरीबी रेखा शुरू करने की योजना है; और

(घ) क्या सरकार एकीकृत गरीबी आकलन ढांचे के लिए मौद्रिक और बहुआयामी दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने की योजना बना रही है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (घ): वर्ष 2021 में, सरकार ने गरीबी के आकलन हेतु एक व्यापक सूचकांक विकसित किया जिसे बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) के रूप में जाना जाता है। यह 12 संकेतकों को शामिल करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर जैसे आयामों में अतिव्यापी अभावों को दर्शाता है। यह एकमात्र तरीका है जिसका उपयोग वर्तमान में गरीबी के आकलन के लिए किया जा रहा है। सूचकांक का दूसरा संस्करण 2023 में जारी किया गया था। नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम राष्ट्रीय

एमपीआई रिपोर्ट, 2023 के अनुसार, वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच बहुआयामी गरीबी में जनसंख्या का अनुपात 24.85% से घटकर 14.96% हो गया, जो दर्शाता है कि इस अवधि के दौरान लगभग 135.5 मिलियन लोग गरीबी से मुक्त हुए। यह एसडीजी लक्ष्य 1.2 को प्राप्त करने की दिशा में एक प्रमुख योगदान है जिसका उद्देश्य "राष्ट्रीय परिभाषाओं के अनुसार गरीबी के सभी आयामों में रहने वाले सभी आयु वर्ग के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के अनुपात को कम से कम आधे तक कम करना है"। यह इंगित करता है कि भारत 2030 से बहुत पहले ही एसडीजी लक्ष्य 1.2 को प्राप्त करने के लिए बिल्कुल तैयार है।

एमपीआई का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और https://www.niti.gov.in/sites/default/files/2023-08/India-National-Multidimentional-Poverty-Index-2023.pdf पर देखा जा सकता है।

****